an>

Title: Regarding Problems being faced by farmers of Bihar due to drought

श्री राम कृपाल यादव (पाटलिपुत्र): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से केन्
सरकार का ध्यान सूखे के भीषण संकट से जूझ रहे बिहार के किसानों की तरप
आकृष्ट करना चाहता हूं।

जलवायु परिवर्तन के असर का बुरा परिणाम आज पूरा बिहार भुगत रहा है। इ
वर्ष 01 जून से 29 जुलाई तक बिहार में अपेक्षित 485.4 मिली मीटर वर्षापात क
तुलना में मात्र 287.2 मिली मीटर वर्षापात हुई है, जो कि लक्ष्य से 41 प्रतिशत कम है
वर्षापात में कमी से बिहार के 91 प्रतिशत किसान सूखे से बुरी तरह प्रभावित है
बिहार में धान की खेती के लिए 35 लाख हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित है। परंतु अभ
तक मात्र 17.09 लाख हेक्टेयर में ही धान की रोपनी हो पाई है जोकि लक्ष्य का मा
48.8 प्रतिशत है।

वर्षापात में कमी के कारण भूगर्भ जल का लेयर काफी कम हो गया है, जिसवे
कारण बिजली रहते हुए भी पानी का लेयर भाग जाने के कारण मोटर पम्प से भ
भूगर्भ जल का शोधन नहीं हो पा रहा है।

हालांकि बिहार सरकार ने किसानों की मदद के लिए डीजल अनुदान की राशि
निर्गत करने का फैसला किया है। धान की फसल बर्बाद होने की स्थिति में वैकल्पिक
फसल के लिए मुफ्त बीज वितरण के लिए आकस्मिक फसल योजना के तहत 20
करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया है।

कम बरसात के कारण पेयजल का भी घोर संकट का सामना करना पड़ रहा है
इसके साथ-साथ धान की खेती का भी बड़े पैमाने पर नुकसान होने की स्थिति
मवेशियों के समक्ष चारा संकट की समस्या भी पैदा होने वाली है।

मध्य प्रदेश के बाणसागर और उत्तर प्रदेश के रिहन्द जलाशय के जलग्रहण क्षेत्र
में भी कम बारिश के कारण धान का कटोरा कहे जाने वाला मेरा संसदीय क्षे
पाटलीपुत्र सहित पूरे शाहबाद के पटना, भोजपुर, बक्सर, औरंगाबाद, रोहतास

नालंदा, कैमूर और अरवल सहित कई ऐसे जिले हैं, कई ऐसे इलाके हैं, जहां नहरों में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं है। अन्य छोटी-छोटी बरसाती नदियों में भी पानी नहीं है। आहर, पइन सब सूखे हुए हैं, स्थिति बहुत ही भयावह है। केन्द्र सरकार को तत्काल कदम उठाने की जरूरत है।

मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध करता हूं कि बिहार में अविलंब एक उच्च स्तरीय टीम भेजकर सूखे की स्थिति का आकलन कराया जाए तथा बिहार को सूखाग्रस्त घोषित करने की दिशा में तुरंत आवश्यक कार्रवाई की जाए।

महोदय, स्थिति बहुत खराब है, मैं आपका संरक्षण चाहता हूं। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूं कि वहां की हालत बहुत खराब है। धन्यवाद।